



# Manya Dwivedi

21 Nov 2008

02:30 AM

Kanpur

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121584610

स्त्रीलिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ : स्त्रीलिंग  
**20-21/11/2008** : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : **21/11/2026**  
 गुरु-शुक्रवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ : शनिवार  
 घंटे 02:30:00 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ : 17:05:17 घंटे  
 घटी 49:55:33 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ : 26:22:34 घटी  
 India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ : India  
 Kanpur : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ : Kanpur  
 उत्तर 26:27:00 : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ : 26:27:00 उत्तर  
 पूर्व 80:19:00 : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ : 80:19:00 पूर्व  
 पूर्व 82:30:00 : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ : 82:30:00 पूर्व  
 घंटे -00:08:44 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ : -00:08:44 घंटे  
 घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:00:00 घंटे  
 06:31:46 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ : 06:32:15  
 17:16:50 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ : 17:16:55  
 23:59:04 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ : 24:14:06  
 कन्या : \_\_\_\_\_ लग्न \_\_\_\_\_ : वृष  
 बुध : \_\_\_\_\_ लग्न लग्नाधिपति \_\_\_\_\_ : शुक्र  
 सिंह : \_\_\_\_\_ राशि \_\_\_\_\_ : मीन  
 सूर्य : \_\_\_\_\_ राशि-स्वामी \_\_\_\_\_ : गुरु  
 पू०फाल्गुनी : \_\_\_\_\_ नक्षत्र \_\_\_\_\_ : रेवती  
 शुक्र : \_\_\_\_\_ नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_ : बुध  
 2 : \_\_\_\_\_ चरण \_\_\_\_\_ : 2  
 वैधृति : \_\_\_\_\_ योग \_\_\_\_\_ : सिद्धि  
 गर : \_\_\_\_\_ करण \_\_\_\_\_ : बव  
 टा-टाटा : \_\_\_\_\_ जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_ : दो-द्रोणी  
 वृश्चिक : \_\_\_\_\_ सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_ : वृश्चिक  
 क्षत्रिय : \_\_\_\_\_ वर्ण \_\_\_\_\_ : विप्र  
 वनचर : \_\_\_\_\_ वश्य \_\_\_\_\_ : जलचर  
 मूषक : \_\_\_\_\_ योनि \_\_\_\_\_ : गज  
 मनुष्य : \_\_\_\_\_ गण \_\_\_\_\_ : देव  
 मध्य : \_\_\_\_\_ नाडी \_\_\_\_\_ : अन्त्य  
 श्वान : \_\_\_\_\_ वर्ग \_\_\_\_\_ : सर्प  
 18 : \_\_\_\_\_ गत/तत्कालिक वर्ष \_\_\_\_\_ : 19

## जन्म - विवरण

## वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
हस्त	1	11:00:02	कन्या			लग्न			वृष	02:49:39	2	कृतिका
अनुराधा	1	04:55:56	वृश्चि			सूर्य			वृश्चि	04:55:56	1	अनुराधा
पू०फाल्गुनी	2	16:58:03	सिंह			चंद्र			मीन	22:31:54	2	रेवती
अनुराधा	2	09:15:26	वृश्चि	अ		मंगल			सिंह	03:55:01	2	मघा
विशाखा	4	02:10:22	वृश्चि	अ		बुध			तुला	15:27:26	3	स्वाति
पूर्वाषाढा	4	26:13:14	धनु			गुरु			सिंह	02:02:44	1	मघा
पूर्वाषाढा	1	15:50:42	धनु			शुक्र			कन्या	29:42:01	2	चित्रा
पू०फाल्गुनी	4	26:17:43	सिंह			शनि	व		मीन	14:02:12	4	उ०भाद्रपद
श्रवण	3	18:35:41	मक	व		राहु	व		कुंभ	00:43:14	3	धनिष्ठा
आश्लेषा	1	18:35:41	कर्क	व		केतु	व		सिंह	00:43:14	1	मघा
पू०भाद्रपद	2	24:46:27	कुंभ	व		मु			मीन	11:00:02	3	उ०भाद्रपद

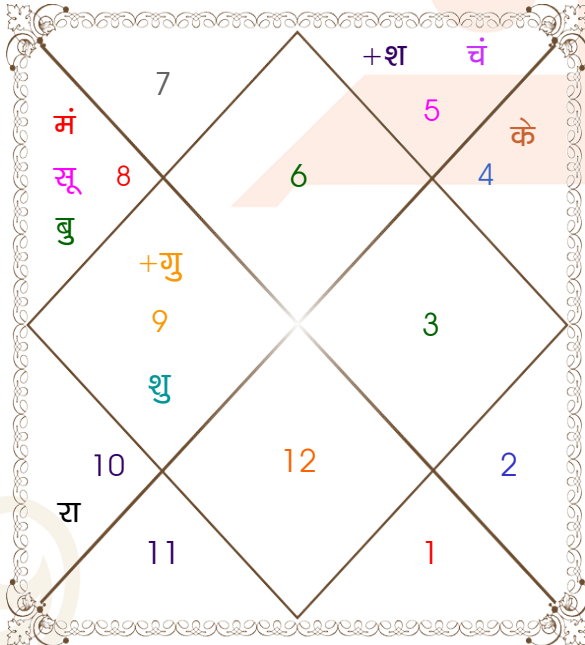
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

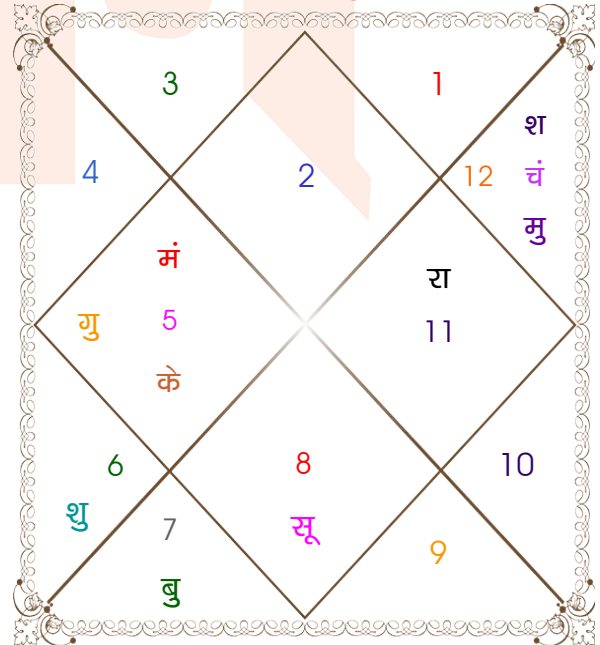
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:14:06

### लग्न-चलित



### वर्ष लग्न कुंडली



## विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

सूर्य - गुरु - राहु		सूर्य - शनि - शनि		सूर्य - शनि - बुध		सूर्य - शनि - केतु	
03/03/2026 05:19		16/04/2026 01:14		09/06/2026 23:47		29/07/2026 03:32	
16/04/2026 01:14		09/06/2026 23:47		29/07/2026 03:32		18/08/2026 09:19	
राहु	09/03/2026 19:06	शनि	24/04/2026 18:00	बुध	16/06/2026 22:55	केतु	30/07/2026 07:53
गुरु	15/03/2026 15:21	बुध	02/05/2026 12:48	केतु	19/06/2026 19:44	शुक्र	02/08/2026 16:51
शनि	22/03/2026 13:55	केतु	05/05/2026 17:43	शुक्र	28/06/2026 00:22	सूर्य	03/08/2026 17:08
बुध	28/03/2026 18:56	शुक्र	14/05/2026 21:28	सूर्य	30/06/2026 11:21	चंद्र	05/08/2026 09:37
केतु	31/03/2026 08:18	सूर्य	17/05/2026 15:24	चंद्र	04/07/2026 13:40	मंगल	06/08/2026 13:57
शुक्र	07/04/2026 15:37	चंद्र	22/05/2026 05:17	मंगल	07/07/2026 10:29	राहु	09/08/2026 14:49
सूर्य	09/04/2026 20:13	मंगल	25/05/2026 10:12	राहु	14/07/2026 19:27	गुरु	12/08/2026 07:35
चंद्र	13/04/2026 11:52	राहु	02/06/2026 15:59	गुरु	21/07/2026 08:45	शनि	15/08/2026 12:30
मंगल	16/04/2026 01:14	गुरु	09/06/2026 23:47	शनि	29/07/2026 03:32	बुध	18/08/2026 09:19
सूर्य - शनि - शुक्र		सूर्य - शनि - सूर्य		सूर्य - शनि - चंद्र		सूर्य - शनि - मंगल	
18/08/2026 09:19		15/10/2026 05:16		01/11/2026 13:40		30/11/2026 11:38	
15/10/2026 05:16		01/11/2026 13:40		30/11/2026 11:38		20/12/2026 17:25	
शुक्र	28/08/2026 00:39	सूर्य	16/10/2026 02:06	चंद्र	03/11/2026 23:29	मंगल	01/12/2026 15:58
सूर्य	30/08/2026 22:03	चंद्र	17/10/2026 12:48	मंगल	05/11/2026 15:58	राहु	04/12/2026 16:50
चंद्र	04/09/2026 17:43	मंगल	18/10/2026 13:05	राहु	10/11/2026 00:04	गुरु	07/12/2026 09:37
मंगल	08/09/2026 02:40	राहु	21/10/2026 03:32	गुरु	13/11/2026 20:36	शनि	10/12/2026 14:32
राहु	16/09/2026 18:52	गुरु	23/10/2026 11:03	शनि	18/11/2026 10:29	बुध	13/12/2026 11:21
गुरु	24/09/2026 11:56	शनि	26/10/2026 04:59	बुध	22/11/2026 12:47	केतु	14/12/2026 15:41
शनि	03/10/2026 15:41	बुध	28/10/2026 15:58	केतु	24/11/2026 05:16	शुक्र	18/12/2026 00:39
बुध	11/10/2026 20:19	केतु	29/10/2026 16:16	शुक्र	29/11/2026 00:56	सूर्य	19/12/2026 00:56
केतु	15/10/2026 05:16	शुक्र	01/11/2026 13:40	सूर्य	30/11/2026 11:38	चंद्र	20/12/2026 17:25
सूर्य - शनि - राहु		सूर्य - शनि - गुरु		सूर्य - बुध - बुध		सूर्य - बुध - केतु	
20/12/2026 17:25		10/02/2027 18:34		29/03/2027 00:56		12/05/2027 00:30	
10/02/2027 18:34		29/03/2027 00:56		12/05/2027 00:30		30/05/2027 03:09	
राहु	28/12/2026 12:47	गुरु	16/02/2027 22:37	बुध	04/04/2027 06:28	केतु	13/05/2027 01:51
गुरु	04/01/2027 11:21	शनि	24/02/2027 06:26	केतु	06/04/2027 20:03	शुक्र	16/05/2027 02:18
शनि	12/01/2027 17:08	बुध	02/03/2027 19:44	शुक्र	14/04/2027 03:58	सूर्य	17/05/2027 00:02
बुध	20/01/2027 02:05	केतु	05/03/2027 12:30	सूर्य	16/04/2027 08:45	चंद्र	18/05/2027 12:15
केतु	23/01/2027 02:57	शुक्र	13/03/2027 05:34	चंद्र	20/04/2027 00:43	मंगल	19/05/2027 13:36
शुक्र	31/01/2027 19:09	सूर्य	15/03/2027 13:05	मंगल	22/04/2027 14:18	राहु	22/05/2027 06:48
सूर्य	03/02/2027 09:36	चंद्र	19/03/2027 09:36	राहु	29/04/2027 04:38	गुरु	24/05/2027 16:45
चंद्र	07/02/2027 17:42	मंगल	22/03/2027 02:23	गुरु	05/05/2027 01:22	शनि	27/05/2027 13:35
मंगल	10/02/2027 18:34	राहु	29/03/2027 00:56	शनि	12/05/2027 00:30	बुध	30/05/2027 03:09

## अथ वर्षशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।

ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।

हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

.\*.\*.\*.\*.\*.\*.\*.\*.\*.\*.\*.\*.\*.\*.\*.\*

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशिष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

## अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।  
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

.\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_.\_

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करेंगी। साथ ही इनमें आपको अधिकांश कार्यों में सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी तथा सभी रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। इसके साथ ही आपकी आशाएं एवं संकल्प भी सिद्ध होंगे। इस समय भौतिक सुख संसाधनों की आपको इच्छित मात्रा में प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगी। संतति पक्ष से भी आप इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी एवं वांछित लाभ भी प्राप्त् होगा। साथ ही संतति प्राप्ति की भी इस वर्ष में संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त आप इच्छित द्रव्य पदार्थ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल सफलता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपको इच्छित लाभ प्राप्त होगा तथा ये आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। अतः नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा मित्र वर्ग एवं सम्बन्धियों से भी आपको लाभ होगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रुचि रहेगी फलतः किसी महत्वपूर्ण परीक्षा में आपको सफलता मिलेगी। विशेषतया राजनीति में उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा अतः इसमें सक्रिय रहकर आप समय का सदुपयोग कर सकती हैं। इस प्रकार यह वर्ष आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगी।